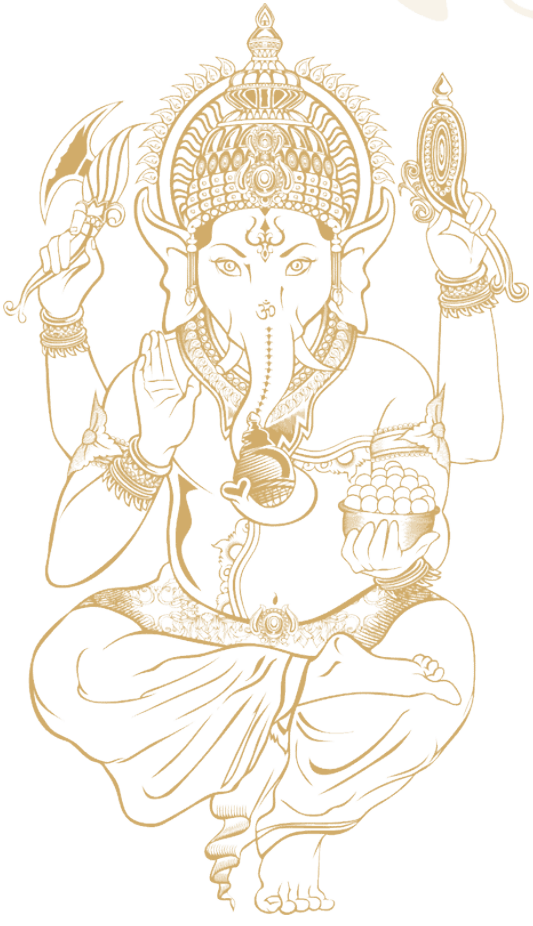

Ashish

31 Aug 1996

11:45 AM

Barabanki

Model: web-freekundliweb

Order No: 121654902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**31/08/1996**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:45:05 घंटे**
इष्ट	15:02:04 घटी
स्थान	**Barabanki**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:56:00 उत्तर
रेखांश	81:11:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:05:16 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:39:49 घंटे
वेलान्तर	-00:00:17 घंटे
साम्पातिक काल	10:18:38 घंटे
सूर्योदय	05:44:15 घंटे
सूर्यास्त	18:26:17 घंटे
दिनमान	12:42:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	14:18:25 सिंह
लग्न के अंश	02:50:30 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**रेवती - 1**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	गण्ड
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	गज
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	पूर्व
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दे-देवांशु
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	02:50:30	309:36:56	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	14:18:25	00:58:01	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			मीन	18:45:53	14:11:10	रेवती	1	27	गुरु	बुध	केतु	सम राशि
मंगल			कर्क	00:07:56	00:38:15	पुनर्वसु	4	7	चंद्र	गुरु	चंद्र	नीच राशि
बुध			कन्या	08:56:12	00:21:36	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	शुक्र	उच्च राशि
गुरु	व		धनु	14:01:34	00:00:38	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
शुक्र			मिथु	28:54:22	01:01:46	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	सूर्य	मित्र राशि
शनि	व		मीन	12:05:53	00:03:50	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	चंद्र	सम राशि
राहु			कन्या	14:25:03	00:00:19	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु			मीन	14:25:03	00:00:19	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	07:27:00	00:01:45	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	केतु	---
नेप	व		मक	01:30:35	00:01:05	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	---
प्लूटो			वृश्चि	06:38:34	00:00:42	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	बुध	---
दशम भाव			सिंह	08:53:25	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:48:41

लग्न-चलित

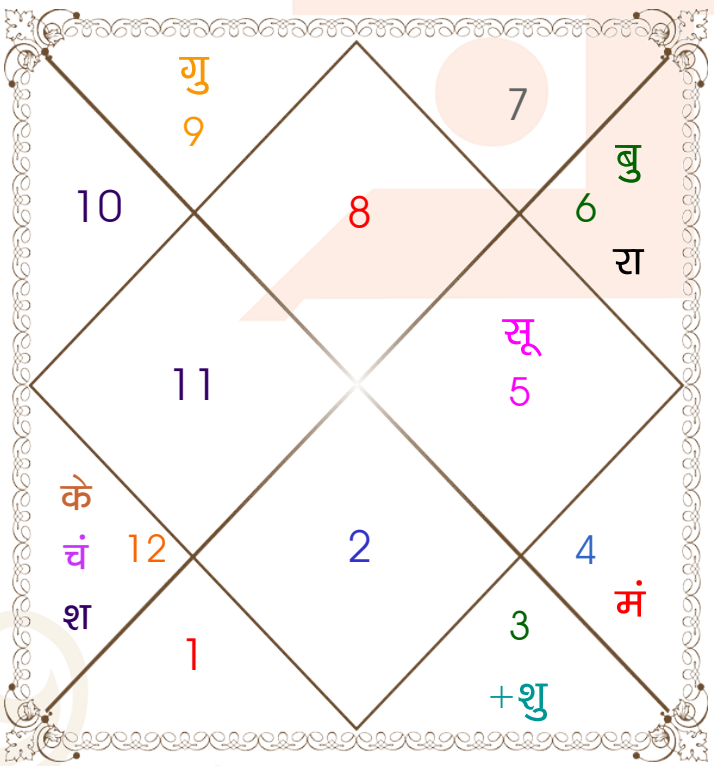

चन्द्र कुंडली

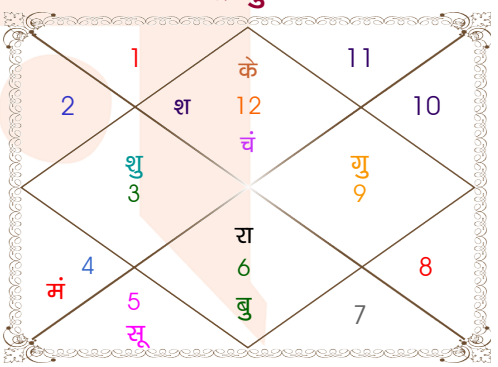

नवमांश कुंडली

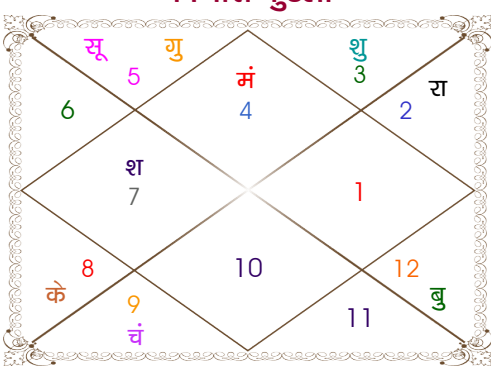

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 14 वर्ष 3 मास 27 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
31/08/1996		28/12/2010		28/12/2017		28/12/2037		28/12/2043	
28/12/2010		28/12/2017		28/12/2037		28/12/2043		28/12/2053	
	31/08/1996	केतु	26/05/2011	शुक्र	28/04/2021	सूर्य	16/04/2038	चंद्र	28/10/2044
केतु	23/05/1997	शुक्र	25/07/2012	सूर्य	29/04/2022	चंद्र	16/10/2038	मंगल	29/05/2045
शुक्र	23/03/2000	सूर्य	30/11/2012	चंद्र	28/12/2023	मंगल	21/02/2039	राहु	28/11/2046
सूर्य	27/01/2001	चंद्र	01/07/2013	मंगल	27/02/2025	राहु	16/01/2040	गुरु	29/03/2048
चंद्र	29/06/2002	मंगल	27/11/2013	राहु	27/02/2028	गुरु	03/11/2040	शनि	28/10/2049
मंगल	26/06/2003	राहु	16/12/2014	गुरु	28/10/2030	शनि	16/10/2041	बुध	29/03/2051
राहु	12/01/2006	गुरु	22/11/2015	शनि	28/12/2033	बुध	22/08/2042	केतु	29/10/2051
गुरु	19/04/2008	शनि	31/12/2016	बुध	28/10/2036	केतु	28/12/2042	शुक्र	28/06/2053
शनि	28/12/2010	बुध	28/12/2017	केतु	28/12/2037	शुक्र	28/12/2043	सूर्य	28/12/2053

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/12/2053		28/12/2060		28/12/2078		28/12/2094		29/12/2113	
28/12/2060		28/12/2078		28/12/2094		29/12/2113		00/00/0000	
मंगल	26/05/2054	राहु	10/09/2063	गुरु	14/02/2081	शनि	31/12/2097	बुध	27/05/2116
राहु	14/06/2055	गुरु	02/02/2066	शनि	29/08/2083	बुध	10/09/2100	केतु	01/09/2116
गुरु	19/05/2056	शनि	09/12/2068	बुध	04/12/2085	केतु	20/10/2101		00/00/0000
शनि	28/06/2057	बुध	29/06/2071	केतु	09/11/2086	शुक्र	20/12/2104		00/00/0000
बुध	26/06/2058	केतु	16/07/2072	शुक्र	10/07/2089	सूर्य	02/12/2105		00/00/0000
केतु	22/11/2058	शुक्र	17/07/2075	सूर्य	29/04/2090	चंद्र	03/07/2107		00/00/0000
शुक्र	22/01/2060	सूर्य	10/06/2076	चंद्र	29/08/2091	मंगल	11/08/2108		00/00/0000
सूर्य	29/05/2060	चंद्र	10/12/2077	मंगल	04/08/2092	राहु	18/06/2111		00/00/0000
चंद्र	28/12/2060	मंगल	28/12/2078	राहु	28/12/2094	गुरु	29/12/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 14 वर्ष 4 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।